# आधुनिकता व परंपरा का मॉडल होगी अपनी फिल्म सिटी

## इंडस्ट्री के लिहाज से होंगी सभी विश्वस्तरीय सुविधाएं, अपनी खूबियों के साथ मौजूद होंगे हर राज्य के गांवों के सेट

**अनिल श्रीवास्तव**

**लखनऊ।** ग्रेटर नोएडा में प्रस्तावित फिल्म सिटी आधुनिकता और परंपरा का मॉडल होगी। फिल्म इंडस्ट्री की जरूरत के लिहाज से इसमें सभी बुनियादी सुविधाएं तो होंगी ही, साथ में सभी राज्यों के गांवों के सेट भी अपनी खूबियों के साथ मौजूद रहेंगे।

झरना, बाग, जंगल, मंदिर, चर्च व गुरुद्वारा भी होंगे। इसमें बहुरंगी भारत की झलक होगी तो बॉलीवुड का संपन्न संग्रहालय भी होगा। भारतीय सिनेमा के अब तक के इतिहास को भी चरणबद्ध तरीके से दर्शाया जाएगा। दुर्लभ और विशेष फिल्मों के संग्रह के साथ इनका प्रदर्शन भी होगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रदेश में फिल्म सिटी की स्थापना के एलान के बाद इसका भावी स्वरूप सामने आने लगा है। यमुना एक्सप्रेस-वे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी को फिल्म सिटी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। हालांकि पूरा खाका कंसल्टेंट तैयार करेगा, लेकिन सरकार की मंशा ऐसी फिल्म सिटी को मूर्त रूप देने की है, जहां फिल्मकारों के लिए सारी सहूलियतें मौजूद हों। चूंकि 'प्रदेश के लिहाज यह बेहद महत्वपूर्ण परियोजना है और मुख्यमंत्री की इसमें रुचि है लिहाजा इसके स्वरूप को लेकर उनके समक्ष कई बार इसका प्रस्तुतीकरण किया जा चुका है।

अब तक की कार्ययोजना के अनुसार यह एक ऐसा शहर होगा जिसमें किसी भी बड़े स्तर के फिल्म निर्माण के लिए सभी सुविधाएं होंगी। इसकी खूबियों के नाते देश और दुनिया में यूपी की ब्रांडिंग भी होगी।

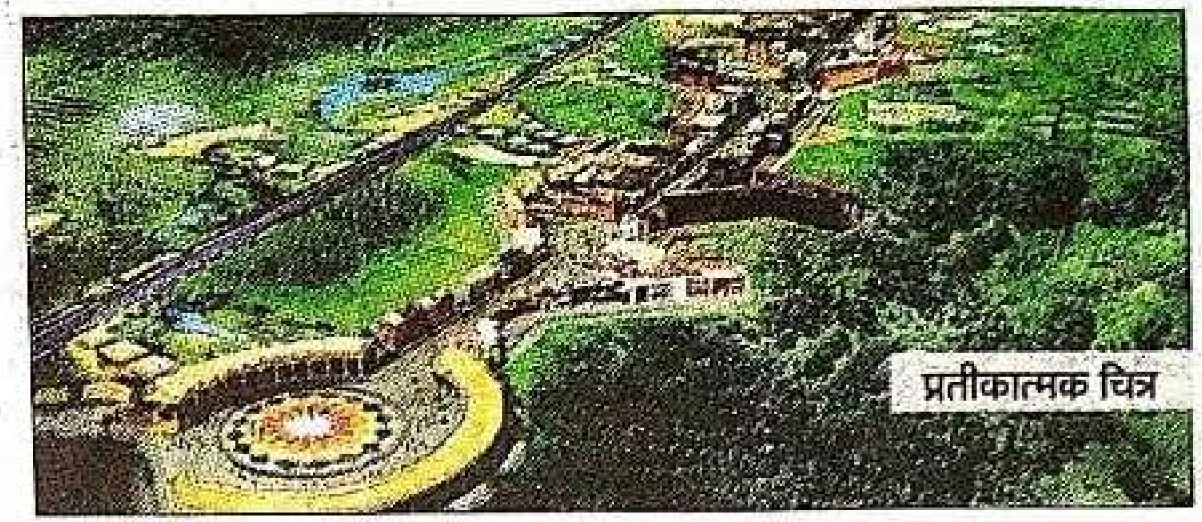

प्रतीकात्मक चित्र

### प्री और पोस्ट प्रोडक्शन की सभी सुविधाएं होंगी

फिल्म सिटी में स्टेट ऑफ आर्ट स्टूडियो, प्री एवं पोस्ट प्रोडक्शन की सभी सुविधाओं के साथ एक फिल्म यूनिवर्सिटी भी प्रस्तावित है। प्रस्तावित हेलीपैड में छोटे बड़े हर स्तर के हेलीकॉप्टर लैंड कर सकेंगे। यहां काम करने या यहां आने वालों की सहूलियत के लिए फाइव स्टार, थ्री स्टार और बजट होटल, फूड कोर्ट, रेस्ट रूम, दर्शक दीर्घा और मल्टी लेवल पार्किंग की भी सुविधा होगी। फिल्म सिटी को निर्बाध बिजली मिले इसके लिए यमुना एक्सप्रेस इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी के सेक्टर 32 में 400 केवीए का सब स्टेशन भी बन रहा है।

### इलेक्ट्रॉनिक सिटी भी बसाने की तैयारी

*सूत्रों के मुताबिक प्रस्तावित फिल्म सिटी बुनियादी संरचना के हिसाब से बेहद संपन्न होगी। यमुना एक्सप्रेस से सटा होने के साथ यह ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे से लगा हुआ है। एशिया के सबसे बड़े ग्रीनफील्ड जेवर एयरपोर्ट के बनने के बाद यह देश-दुनिया से और बेहतर तरीके से जुड़ जाएगा। ग्रेटर नोएडा से मेट्रो रेल से जेवर के जुड़ने से आवागमन और सुरक्षित एवं आसान हो जाएगा। प्रदेश सरकार यहां 350 एकड़ में मेडिकल डिवाइस पार्क, विमानों के रख-रखाव का हब और इलेक्ट्रॉनिक सिटी भी बसाने की तैयारी में है। इससे भी इस क्षेत्र की अहमियत काफी बढ़ जाएगी।*

### 'कंसल्टेंट चयन की प्रक्रिया शुरू'

ग्रेटर नोएडा में प्रस्तावित फिल्म सिटी मुख्यमंत्री की प्राथमिकता वाला महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है। इसे धरातल पर उतारने के लिए तेजी से कार्यवाही की जा रही है। यूपी की फिल्म सिटी फिल्मकारों के लिए इसलिए भी खास होगी क्योंकि यहां फिल्म निर्माण से जुड़ी सभी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। फिल्म सिटी के लिए कंसल्टेंट के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। कंसल्टेंट पूरी परियोजना का खाका तैयार करेगा। - **नवनीत सहगल, अपर मुख्य सचिव सूचना**